Psychic Determinism (मानसिक नियतियता)

यह एक ऐसा concept है, जिसे सबसे पहले Dr. S. FREUD ने मानसिक व्यवहार और घटना को explain करने के लिए प्रयोग में लाया। Psychopathology of every day life की व्याख्या के सिलसिले में FREUD ने यह जोरदार शब्दों में कहा कि जिस तरह भौतिक घटनाओं के पीछे कुछ-न-कुछ कारण, अवश्य छुपा रहता है उसी तरह मानसिक या मनोवैज्ञानिक घटनाओं के पीछे भी कुछ कारण अवश्य होते हैं। दूसरे शब्दों में, सभी मानसिक घटनाएं कुछ-न-कुछ कारणों से निर्धारित होती हैं। यही सचमुच psychic determi-nism है।

हम किसी भी घटना को तभी निर्धारित कर सकते हैं, जब उसके पीछे कुछ-न-कुछ कारण अवश्य हों और पूर्णतः निर्धारित तब होते हैं जब कारण sufficient हों। दरअसल कोई भी घटना chance factor से नहीं घटती। WOODWORTH के अनुसार —— "Determinism is the belief or scientific postulates that all events in nature have their sufficient causes."

Physics के इस नियम का सबसे पहले प्रयोग Psychoanalysis के scholar FREUD ने 20वीं शताब्दी के प्रारम्भ के वर्षों में किया और बार-2 यह दुहराया कि mental world cause और effect के नियम से वैसे ही बंधे हैं, जैसे की physical world. इंसान के हर व्यवहार thinking, और emotion के पीछे बहुतेरे causes होते हैं, हालांकि ये causes इतने complex होते हैं कि इन्हें कभी-2 जानना कठीन होता है। इसलिए causes को नहीं जान पाने की inability को chance कहना सही नहीं लगता है। BROWN भी लिखते हैं :—— "Every bit of psychological activities is determined by certain factor known or unknown to the individual."

JONES ने बताया कि इंसान के हर thought के पीछे कुछ ऐसे forces अवश्य रहते हैं, जो उन्हें direction देते हैं। ऐसे Basic causes की शक्ल में FREUD ने motive को माना। FREUD के अनुसार, motive इंसान के conscious, sub-conscious और unconscious — सभी mental level पर काम करते हैं। Normal behaviour की तरह abnormal symptoms का भी एक purpose होता है, क्योंकि वह किसी-न-किसी unconscious motive के द्वारा guided रहता है। **यह बात 'Psychopatho-logy of** everyday life' से और भी साफ़ हो जाती है।

हम सभी तरह-2 की भूलें किया करते हैं। कुछ भूलें तो ऐसी होती हैं जो ignorance के कारण होती हैं, मगर कुछ accidental मानी जाती हैं। Slip of tongue, slip of pen, पैर हिलाना, चाभी के गुच्छों को नचाना इत्यादि भी abnormal व्यवहार हैं। इनके पीछे unconscious कारण ही रहते हैं। FREUD ने इसे "purposeful accident" कहा है। Forgetting of names, misprinting, misplacing of objects — ये सभी दैनिक जीवन की ऐसी भूलें हैं, जो unconsciously motivated होती हैं और इनसे psychic determinism का सिद्धान्त supported होता है। अंत में हम कह सकते हैं कि FREUD के अन्य योगदानों में psychic determinism सबसे बड़ा एवं महत्वपूर्ण है।

[illegible]